एक नजर में

सहकारिता जन जागरण सप्ताह में किसानों को कृषि विपणन की दी गई जानकारी

रतलाम। सहकारिता जन जागरण सप्ताह- विषय 'किसान एवं कृषि विपणन दिवस' के दूसरे दिन विपणन एवं प्रक्रिया सहकारी संस्था सैलाना में सहकारी चौपाल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसानों को उर्वरक के उपयोग तथा 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना पर परिचर्चा की गई। कार्यक्रम को विषय विशेषज्ञ पूर्व प्राचार्य निरंजन कुमार कसारा, जिला सहकारी संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिरुद्ध शर्मा ने संबोधित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सैलाना के गोधूलिया तालाब पर वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला सहकारी संघ के जनसंपर्क अधिकारी पिंकेश भट्ट ने किया तथा आभार प्रदर्शन आयोजक संस्था विपणन एवं प्रक्रिया सहकारी समिति के प्रबंधक सुरेंद्र सिंह राठौर ने किया।

डिजिटलीकरण से सहकारी संस्थाओं के कार्य में गति एवं पारदर्शिता आएगी- श्री भाटी

रतलाम। सहकारिता जन जागरण सप्ताह के तीसरे दिन बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था धामनोद में सहकारी संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।विषय था 'डिजिटल सहकारिता एवं वित्तीय समावेशन दिवस'। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एन. एस.भाटी उपायुक्त सहकारिता ने कहा कि केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह एवं प्रदेश के सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग के नेतृत्व में जिले की बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं का कम्प्यूटराइजेशन किया गया है। इससे संस्थाओं के कार्य में गति एवं पारदर्शिता आएगी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला सहकारी संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिरुद्ध शर्मा ने कहा कि संस्थाओं के डिजिटलीकरण से संस्था सदस्यों को त्वरित सुविधाएं मिल सकेगी। शासन की नीति अनुसार संस्था के सदस्यता में वृद्धि की जानी है। इसके लिए संस्था के वर्तमान सदस्यों को नए सदस्यों को जोड़ने में सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के प्रबंधक शैलेश खरे ने संबोधित करते हुए कहा कि संस्था में मोबाइल एप आधारित सदस्य पंजीकरण ,क्यूआर कोड आधारित वसूली,नए केसीसी जारी किए जा रहे है। कार्यक्रम का संचालन निरंजन कुमार कसारा ने किया तथा आभार संस्था प्रबंधक सन्तोष पुरोहित ने प्रकट किया। इस अवसर पर संघ के जनसम्पर्क अधिकारी पिंकेश भट्ट,जगदीश धाड़वी, बाबूलाल पाटीदार, गोवर्द्धनदास खोखरा, गणेशलाल,नरेंद्र राव,अम्बालाल पाटीदार,थावराजी सहित संस्था के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बाल श्रम जिला टास्क फोर्स एवं बंधक श्रम जिला सतर्कता समिति की बैठक संपन्न

रतलाम। जिला श्रम पदाधिकारी प्रकाश डुडवे ने बताया कि रतलाम जिले में बाल श्रम जिला टास्क फोर्स एवं बंधक श्रम जिला सतर्कता समिति की संयुक्त बैठक का आयोजन न्यू कलेक्ट्रेट में किया गया। बैठक में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री वैशाली जैन उपस्थित रही । जिला श्रम पदाधिकारी ने बताया कि बालक और कुमार श्रम(प्रतिषेध और विनियमन) अधिनियम 1986 संशोधन 2016 में निहित प्रावधान अनुसार 14 वर्ष से कम आयु के बालकों को किसी भी प्रकार के श्रम कार्य में नियोजित करना प्रतिबंधित है। इसके लिए 6 महीने से 2 साल तक की सजा या और 20000 रुपए से 50000 रुपए तक का जुर्माना किया जाना प्रावधानित है। कुमार अर्थात किशोर की परिभाषा में 14 वर्ष से 18 वर्ष की आयु के लोगों को सम्मिलित किया गया है। गैर परिसंकटमय संस्थानों में कुमार श्रमिकों को नियोजित करने की शर्ते अनुसार कुमार श्रमिक / श्रमिकों को नियोजित करने के पूर्व क्षेत्रीय निरीक्षक को सूचना देना आवश्यक है। योजना के तहत - पुनर्वास हेतु सहायता राशि वयस्क पुरुष हितग्राही हेतु राशि रु 1 लाख प्रदान की जाती है। स्पेशल केटेगरी / अनाथ बच्चें एवं महिलाओं हेतु राशि रुपये 2 लाख प्रदान की जाती है। बंधक श्रमिक जिनका शारीरिक शोषण अथवा मानव तस्करी किया जाता है की स्थिति में राशि रुपये 3 लाख प्रदान की जाती है। बंधक श्रमिकों के विमुक्त होने पर विमुक्ति प्रमाण-पत्र जारी किए जाने की स्थिति में तत्कालिक सहायता राशि रूपए 30,000/- देय है। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा सिंह ने बैठक में निर्देशित किया कि रतलाम जिले से अन्य स्थानों पर श्रम संबंधी कार्य करने वाले लोगों की सूची तैयार की जाए और सूची को प्रवासी श्रमिक पोर्टल पर नामजद जानकारी की प्रविष्टि की जाए। श्रम कार्य के लिए आवागमन करने वाले लोग स्वयं भी अपनी नजदीकी पंचायत में अपना रजिस्ट्रेशन सहजता से करवा सकते हैं। इस संबंध में श्रमिकों के नियोजक एवं ठेकेदारों की सूची भी थाने पर संधारित की जाए , ग्राम सभा में लोगों को इसकी जानकारी दी जाए। कानून का उल्लंघन पाए जाने की दशा में एसडीएम अथवा तहसीलदार के माध्यम से 50000 रुपए तक के बॉन्ड ओवर की कार्रवाई की जाए। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग सुभाष चंद्र जैन , शंभू चौधरी, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति , सरोज जादोन सीजेपीयू एवं जिला टास्क फोर्स और बंधक श्रम सतर्कता समिति के अन्य सदस्य एवं समिति के अन्य सदस्य आदि उपस्थित रहे ।

ब्लिंकिट की ड्रेस पहनकर पहुंचे लुटेरे,लाखों का बैग छीन फरार

- बैंक अवकाश के कारण घर में रखी गई थी नकदी
- दिनदहाड़े वारदात के बाद अगले दिन दर्ज हुई एफआईआर

नव भारत न्यूज

रतलाम। शहर में 40 लाख रुपये की सनसनीखेज लूट ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि बदमाशों को आखिर कैसे पता चला कि शराब दुकानों की चार दिन की बिक्री का 40 लाख रुपये का कलेक्शन ठीक उसी समय घर के भीतर ले जाया जा रहा है? पुलिस अब इस वारदात को सिर्फ लूट नहीं, बल्कि पुख्ता रेकी और सटीक सूचना के आधार पर अंजाम दिए गए अपराध के रूप में भी जांच रही है।

पुलिस के अनुसार फरियादी मनीष पटवा ने बताया कि उनके मित्र गौरव शर्मा की रतलाम में शराब दुकानें संचालित हैं। 25 से 28 जून तक बैंक अवकाश रहने के कारण चार दिनों की बिक्री का करीब 40 लाख रुपये का कलेक्शन बैंक में जमा नहीं हो सका। गौरव शर्मा ने फोन पर नकदी मनीष पटवा के पास सुरक्षित रखने को कहा था। 29 जून की दोपहर गौरव शर्मा का कर्मचारी अमित 40 लाख रुपये नकद लेकर मनीष पटवा के घर के नीचे स्थित कार्यालय पहुंचा। वहां कर्मचारी फरदीन और उसके पिता फिरोज ने राशि गिनकर पुष्टि की। मनीष के कहने पर पूरी रकम काले बैग में रखकर घर की ऊपरी मंजिल पर ले जाई जा रही थी।

करीब तीन बजे जैसे ही फरदीन और फिरोज बैग लेकर घर के गलियारे से मुख्य दरवाजे की ओर पहुंचे, तभी ब्लिंकिट कंपनी की यूनिफॉर्म पहने और चेहरे पर कपड़ा बांधे एक युवक अचानक सामने आ गया। उसने जान से मारने की धमकी देकर फरदीन के हाथ से बैग छीन लिया। दोनों ने पीछा करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने धमकाकर उन्हें रोक दिया। बाहर पहले से स्कूटी पर उसका साथी इंतजार कर रहा था। दोनों आरोपी 40 लाख रुपये से भरा बैग लेकर गायत्री टॉकीज की ओर फरार हो गए।

वारदात के बाद तुरंत पुलिस को सूचना नहीं दी गई। मनीष पटवा ने पहले अपने मित्र गौरव शर्मा को घटना की जानकारी दी। उस समय गौरव शर्मा उज्जैन में थे। अगले दिन रतलाम लौटकर उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी। इसके बाद लूट का प्रकरण दर्ज कराया गया।

थाना प्रभारी जितेन्द्रसिंह जादौन ने बताया कि अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि वारदात से पहले आरोपियों ने कितने दिनों तक रेकी की, ब्लिंकिट की ड्रेस का इंतजाम कैसे किया और नकदी की सटीक जानकारी उन्हें किस माध्यम से मिली। जांच का फोकस अब लुटेरों के साथ-साथ सूचना लीक होने की संभावना पर भी है।

सेफ क्लिक 2 .0 अभियान के तहत वार्ड 2 में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

सैलाना। पुलिस द्वारा संचालित 'सेफ क्लिक 2.0 - सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित जीवन' अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 2 में साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसडीओपी नीलम बघेल ने नागरिकों को साइबर ठगी, ऑनलाइन फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया धोखाधड़ी, बैंकिंग फ्रॉड तथा अन्य साइबर अपराधों के नए-नए तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी हो जाए तो बिना समय गंवाए तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत करें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर पीड़ित की सहायता की जा सके। इस अवसर पर वार्ड पार्षद सलोनी मांडोत, प्रशांत मांडोत, कप्तान बैरागी, संजय शर्मा, गणपत पाटीदार, कारूलाल कसेरा, इंद्रेश चंडालिया, राधेश्याम कसेरा सहित वार्ड क्रमांक 2 एवं 3 के बड़ी संख्या में रहवासी उपस्थित रहे। संचालन जितेन्द्रसिंह राठौर व आभार असलम पठान ने माना।

युवक से मारपीट, धमकी देने का केस दर्ज

रतलाम। जिले के तितरी गांव में देर रात घर के बाहर हुए विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। आरोप है कि एक युवक ने पहले गाली-गलौज की, फिर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। शिकायत पर माणकचौक थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार घटना मंगलवार की रात करीब 11 बजे ग्राम तितरी में फरियादी शिवम शर्मा (28), पिता विष्णुप्रसाद शर्मा, निवासी ज्ञान सागर स्कूल के सामने, तितरी के घर के बाहर हुई। शिवम का आरोप है कि गांव निवासी अजय उर्फ अजीशो, पिता कैलाश मईड़ा, टावर के पास निवासी तितरी, ने उसके साथ अभद्र भाषा में गाली-गलौज की। विरोध करने पर आरोपी ने शिवम के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर मौके से चला गया। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की।

जिला अस्पताल में 107 यूनिट रक्तदान, कलेक्टर बोलीं : हर मंगलवार जनसुनवाई में भी मिलेगा रक्तदान का अवसर

नव भारत न्यूज

रतलाम। डॉक्टर्स डे पर जिला चिकित्सालय में चिकित्सा सेवा का संदेश केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों ने स्वयं रक्तदान कर मानव सेवा की मिसाल पेश की। आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में 107 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर की शुरुआत सिविल सर्जन डॉ. ए.पी. सिंह ने सबसे पहले रक्तदान कर की, जिसके बाद बड़ी संख्या में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, मेडिकल प्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी रक्तदान किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कलेक्टर मिशा सिंह ने कहा कि चिकित्सा व्यवसाय केवल पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का सबसे पवित्र माध्यम है। उन्होंने कहा कि रक्त की कमी के कारण किसी मरीज की जान नहीं जानी चाहिए, विशेष रूप से गंभीर एनीमिया से पीड़ित गर्भवती महिलाओं के लिए विकासखंड और ग्राम स्तर तक नियमित रक्तदान शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। कलेक्टर ने एक नई पहल की घोषणा करते हुए कहा कि अब प्रत्येक मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई के दौरान इच्छुक नागरिक रक्तदान कर सकेंगे। इसके लिए ब्लड डोनेशन वाहन कलेक्ट्रेट परिसर में उपलब्ध रहेगा। जिला भाजपा अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय ने कहा कि 100 से अधिक बार रक्तदान करने वाले स्वर्गीय अश्विनी शर्मा का जीवन समाज के लिए प्रेरणा है। आईएमए अध्यक्ष डॉ. भरत निनामा ने स्वागत भाषण में बताया कि 1 जुलाई को महान चिकित्सक एवं पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय की स्मृति में राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। कार्यक्रम के दौरान महिला चिकित्सक डॉ. हेतल परमार, नर्सिंग ऑफिसर जीनत स्टीफन और डॉ. सपना बोरीवाल को रक्तदान के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गोविंद काकानी, रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष रावल, जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन प्रीतेश गादिया, सीएमएचओ डॉ. किरण वाडिवा, आरएमओ डॉ. अभिषेक अरोड़ा, अस्पताल प्रबंधक डॉ. शिवम श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में 107 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए बड़ी राहत साबित होगा।

संजीवनी क्लीनिकों का सीएमएचओ ने किया औचक निरीक्षण

- पांच स्वास्थ्य संस्थाओं का किया निरीक्षण

नव भारत न्यूज

रतलाम। शहर के विभिन्न संजीवनी क्लीनिकों और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. किरण वाडिवा बुधवार को अचानक पहुंचीं।

सीएमएचओ ने ऊकाला रोड, रामगढ़ और करमदी रोड स्थित संजीवनी क्लीनिकों के साथ हाकिमवाड़ा एवं दिलीप नगर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने कार्यस्थलों पर उपस्थित मिले। संस्थाओं की उपस्थिति पंजिका, दवा भंडारण व्यवस्था और विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों से जुड़े अभिलेखों का भी परीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. किरण वाडिवा ने संस्था प्रभारियों को निर्देश दिए कि मरीजों को समय पर, गुणवत्तापूर्ण और संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति आमजन का विश्वास बनाए रखना सभी स्वास्थ्य कर्मियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

निरीक्षण के दौरान ऊकाला रोड संजीवनी क्लीनिक में डॉ. नासिर पटेल, दिलीप नगर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ. प्रभात रंजन, रामगढ़ संजीवनी क्लीनिक में डॉ. स्वलेहा, करमदी रोड संजीवनी क्लीनिक में डॉ. शीतल तथा हाकिमवाड़ा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ नर्स आस्मां खान ने अपने-अपने केंद्रों में प्रतिदिन आने वाले मरीजों, उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और संचालित गतिविधियों की जानकारी दी। निरीक्षण में एपीएम डॉ. गौरव बोरीवाल और लोकेश विष्णु वैष्णव भी मौजूद रहे। सीएमएचओ ने सभी स्वास्थ्य संस्थाओं को स्वच्छता, सेवा गुणवत्ता, रिकॉर्ड संधारण और मरीजों के प्रति व्यवहार में निरंतर सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिले में दो युवकों की संदिग्ध मौत, पुलिस जांच में जुटी

रतलाम। जिले में 24 घंटे के भीतर संदिग्ध परिस्थितियों में दो युवकों की मौत हो गईपहला मामला औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत इंद्रलोक नगर का है। पुलिस के अनुसार 30 जून को शाम करीब 4 बजे गौरवदीप किराना दुकान के पास रहने वाले 22 वर्षीय अंकित मालवीय, पिता प्रकाश मालवीय, निवासी ग्राम रेवास (हाल मुकाम त्रिमूर्ति नगर, रतलाम) की अज्ञात पदार्थ का सेवन करने के बाद तबीयत बिगड़ गई। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां रात करीब 9.20 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना उसके बड़े भाई कुलदीप मालवीय ने पुलिस को दी। दूसरा मामला रिंगनोद थाना क्षेत्र के ग्राम परवलिया का है। पुलिस के अनुसार 20 वर्षीय ओम चौहान, पिता हीरालाल चौहान, ने 29 जून की रात करीब 8 से 9 बजे के बीच जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिए पहले स्थानीय स्तर पर और बाद में रतलाम के अरविंदो अस्पताल ले जाया गया, जहां 30 जून की सुबह करीब 8 बजे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना निलेश चौहान ने पुलिस को दी।

पीएनबी बैंक ने किया चिकित्सकों का सम्मान

नव भारत न्यूज

सैलाना। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक, सैलाना शाखा द्वारा नगर के चिकित्सकों का सम्मान कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। बैंक की शाखा प्रबंधक शालिनी शाह ने नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं डॉक्टरो के क्लीनिकों पर पहुंचकर चिकित्सकों को अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सैलाना पहुंचकर डॉ. शैलेंद्र डांगे, सहित समस्त चिकित्सा स्टाफ का स्वागत एवं सम्मान किया। इसके बाद नगर के वरिष्ठ चिकित्सकों डॉ. एन.के. चौधरी, डॉ. ओ.पी. जोशी, डॉ. दीपक जोशी तथा डॉ. राहुल यादव के क्लीनिक पहुंचकर भी उनका सम्मान किया ।शाखा प्रबंधक शालिनी शाह ने कहा कि चिकित्सक अपने ज्ञान, सेवा और समर्पण से समाज को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका योगदान सदैव प्रेरणादायी रहा है।

रेल मंडल से दो राजपत्रित अधिकारी सहित 33 रेलकर्मी सेवानिवृत

नव भारत न्यूज

रतलाम। रेल मंडल से विभिन्न विभागों में मंडल पर कार्यरत दो अधिकारी सहित कुल 33 कर्मचारी जून माह में सेवानिवृत्त हुए। मंडल कार्यालय के सहायक कार्मिक अधिकारी भागराम मीणा एवं निर्माण लेखा शाखा के उप वित सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी निरंजनलाल सहित आधिकारि एवं कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए।

ऑल इंडिया रेलवे अकाउंट्स स्टाफ एसोसिएशन रतलाम मंडल द्वारा निरंजनलाल का ऑल इंडिया रेलवे अकाउंट्स स्टाफ एसोसिएशन के कम्युनिकेशन सेक्रेटरी प्रकाश चंद्र व्यास एवं मंडल अध्यक्ष आफाक हुसैन अंसारी मंडल मंत्री अनिल जैन कोषाध्यक्ष दिलीप कानूनगो की उपस्थिति में अभिनंदन पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ वित्त सलाहकार बलराम मीणा सहायक वित्त सलाहकार रामभरोसे वर्मा द्वारा शांल एवं माला पहनाकर अभिनंदन किया। मंडल मंत्री व्यास ने आपकी रेल सेवा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आप बहुत ही सरल व्यक्तित्व के अधिकारी रहे। आप कविता ,लेखन, एवं गायन के शौकीन हैं , आपकी कविताएं पश्चिम रेलवे रेल दर्पण पत्रिका में लोकल ट्रेन के आंसू, आओ प्यार के दीप जलाए, स्टीम इंजन, ताजमहल, गोल्ड सोना एवं दिल का बिल अकाउंट्स में प्रकाशित हुई तथा कई बार आपको मुख्यालय एवं महाप्रबंधक स्तर पर पुरस्कारों से सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर सर्वे निर्माण के लेखाकर्मी यशवंत केतवास, अबिनाश कुमार, अभिषेक तोमर, युवराज गहलोत, अल्ताफ खान, अर्जुन पाटीदार, दीपक नागोड़ा, गणेश राठौड़, अरुण शर्मा,जितरा, लीलाबाई, पेंशनर यू एल जायसवाल, सुधीर दुबे, संजय चौहान, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के उप प्रबंधक महेंद्रसिंह राठौड़ आदि उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों को भी मिले पदोन्नति का आर्थिक लाभ : डॉ . गांगले

- नई प्रमोशन पॉलिसी का स्वागत किया
- वरिष्ठता के आधार पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी आर्थिक लाभ देने की मांग

नवभारत न्यूज

जावरा। मध्यप्रदेश सरकार की नई पदोन्नति (प्रमोशन) पॉलिसी के बीच सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को भी पदोन्नति का आर्थिक लाभ देने की मांग जोर पकड़ने लगी है।

जावरा निवासी सोशल वर्कर एवं शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रतलाम से दिसंबर 2023 में अर्थशास्त्र के सह प्राध्यापक पद से सेवानिवृत्त तथा प्रांतीय प्राध्यापक संघ के पूर्व सदस्य डॉ. मदनलाल गांगले ने इस संबंध में सरकार से महत्वपूर्ण मांग की है।

डॉ. गांगले ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रमोशन पॉलिसी का लाभ देने का निर्णय स्वागतयोग्य है। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग 10 वर्षों में विभिन्न विभागों से हजारों अधिकारी और कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जिन्होंने अपने पूरे सेवाकाल में ईमानदारी और समर्पण के साथ सरकारी सेवा दी।

उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मचारियों को पदोन्नति का आर्थिक लाभ नहीं मिल पाया, जबकि वे भी वरिष्ठता के आधार पर इसके पात्र थे। इसलिए सरकार को कार्यरत कर्मचारियों के साथ-साथ पिछले 10 वर्षों में सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को भी वरिष्ठता (सीनियरिटी) के आधार पर पदोन्नति का आर्थिक लाभ प्रदान करना चाहिए।

डॉ. गांगले का कहना है कि यह निर्णय न केवल सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ न्याय होगा, बल्कि उनकी वर्षों की सेवा और योगदान का सम्मान भी माना जाएगा।

उन्होंने राज्य सरकार से इस संबंध में सकारात्मक निर्णय लेकर हजारों सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को राहत देने की मांग की है।

एक नजर में | पीड़ित का मकान और जमीन नीलाम होने की कगार पर, गरीब दंपत्ति के साथ लाखों की धोखाधड़ी

होम लोन के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा : दलालों ने डकारे लाखों रुपये

नव भारत न्यूज

जावरा। अपना एक आशियाना बनाने का सपना देखने वाले एक गरीब व्यक्ति को दलालों ने इस कदर ठगा है कि अब उसके सिर से छत छिनने और परिवार के भूखे मरने की नौबत आ गई है। मामला रिंगनोद थाना क्षेत्र का है, जहां शंकरलाल नामक व्यक्ति के साथ होम लोन दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की सुनियोजित ठगी को अंजाम दिया गया है। हैरानी की बात यह है कि पीड़ित सालों से पुलिस और प्रशासन के चक्कर काट रहा है, लेकिन सिस्टम की बेरुखी और कथित तौर पर पुलिस-आरोपियों की सांठगांठ के चलते उसे अब तक न्याय नहीं मिल सका है।

पीड़ित शंकरलाल की शिकायत के अनुसार, आरोपियों पुर्व सरपंच फकीरचंद मालवीय और अन्य ने उसे होम लोन दिलाने का विश्वास दिलाया और उसके सभी असल दस्तावेज अपने पास रख लिए। जैसे ही होम लोन की राशि स्वीकृत होकर बैंक खाते में जमा हुई, आरोपियों ने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। आरोपियों ने बड़ी चालाकी से शंकरलाल के खाते से पैसे निकाले। जिसमें 8/08/2022 को चेक क्रमांक 621634 के माध्यम से 40,000/- रुपये मंगला कुमावत के नाम से निकाले गए। फिर 11/08/2022 को आरोपी फकीरचंद मालवीय ने चेक क्रमांक 621632 के माध्यम से सीधे 4,00,000 (चार लाख रुपये) निकाल लिए। इतना ही नहीं, आरोपी फकीरचंद ने एटीएम कार्ड और यूपीआई का दुरुपयोग करते हुए 15 बार ट्रांजेक्शन कर खाते की पूरी रकम साफ कर दी। इस पूरी ठगी के दौरान पीड़ित को भनक तक नहीं लगने दी गई। जब भी शंकरलाल लोन के बारे में पूछता, तो उसे यह कहकर गुमराह कर दिया जाता कि अभी लोन पास नहीं हुआ है। मामले का खुलासा तब हुआ जब दिसंबर 2022 में होम लोन कंपनी का रिकवरी नोटिस शंकरलाल के घर पहुंचा। जब पीड़ित ने यह नोटिस फकीरचंद को दिखाया, तो उसने चालाकी से वह नोटिस भी यह कहकर अपने पास रख लिया कि मैं खुद कंपनी से बात कर लूंगा, तुम चिंता मत करो। जब 6 महीने से ज्यादा का वक्त बीत गया और बैंक से फिर नोटिस आए, तब जाकर शंकरलाल को अपने साथ हुए इस बड़े धोखे का अहसास हुआ।

सिस्टम से हारा पीड़ित: पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई: ठगी का शिकार होने के बाद शंकरलाल ने न्याय के लिए हर दरवाजा खटखटाया। शिकायत पत्र में बताया गया है कि पीड़ित ने 22 दिसंबर 2023 से लेकर 2024 और 2026 में कई बार पुलिस अधीक्षक (एसपी), कलेक्टर रतलाम और पुलिस थाना रिंगनोद को शिकायतें कीं। लेकिन पीड़ित का गंभीर आरोप है कि रिंगनोद थाना प्रभारी द्वारा आरोपियों के प्रभाव और उनके साथ कथित सांठगांठ के चलते आज दिनांक तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है और न ही कोई कार्रवाई हुई है।

सड़क पर आने की नौबत, न्याय की गुहार

शंकरलाल का पूरा परिवार दहशत में जी रहा है। एक तरफ ठगों ने लोन के पैसे डकार लिए, तो दूसरी तरफ बीमा/लोन कंपनी ने बंधक रखे गए मकान और कृषि भूमि को नीलाम (कुर्क) करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पीड़ित ने अपने शिकायती पत्र में दर्द बयां करते हुए लिखा है कि यदि धोखाधड़ी की राशि वापस नहीं दिलाई गई, तो उसकी जमीन और मकान नीलाम हो जाएंगे और उसका परिवार सड़क पर आ जाएगा, जिससे उनके सामने भूखे मरने की नौबत आ जाएगी। अब देखना यह है कि प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी इस मामले में कब संज्ञान लेते हैं और दलालों के चंगुल में फंसे इस गरीब को कब न्याय मिल पाता है।